# वाणिज्य संकाय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय, जो आज देश के बड़े वाणिज्य संकायों में से एक है, का प्रादुर्भाव सनद्य १९४० में विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह के समय अर्थशास्त्र विभाग के एक आवश्यक अंग के रुप में हुआ। सन् १९५० में यह एक स्वतंत्र विभाग बना एवं इसने सन् १९६५ में इसे उच्चीकृत होकर एक संकाय का दर्जा प्राप्त किया। इस संकाय द्वारा सन् २०११-१२ की अवधि में बी.कॉम्. (प्रतिष्ठा), एम.कॉम्. तथा पीएच.डी. का पाठ्यक्रम का संचालन जारी रहा। इसके साथ ही एम.एफ.सी., एम.आर.आई.एम. और एम.ई.एम.पी. जैसे विशेष पाठ्यक्रम भी स्ववित्तपोषित आधार पर संचालित किये गये। इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर (रा.गाँ.द.प.), बरकछा, मिर्जापुर में भी वाणिज्य संकाय के नियंत्रण में पेड सीट श्रेणी के आधार पर बी.कॉम्. (प्रतिष्ठा) और एफएमएम. के पाठ्यक्रम भी संचालित किये गये।

१. एम एफ सी का पुनर्नामकरण कर एम एफ एम किया गया।
२. एम आर आई एम का पुनर्नामकरण एम एफ आर आई किया गया।
३. एम ई एम पी का पुनर्नामकरण एम एफ टी किया गया

संकाय ने नेपाल, थाईलैंड, अफगानिस्तान और भूटान जैसे विदेशी राष्ट्रों के छात्रों को आकृष्ट किया है। संकाय के सभी पाठ्क्रमों में छात्राओं ने सन्तोषजनक सख्या में प्रवेश प्राप्त किया।

संकाय के सदस्यों ने पीएच०डी० निर्देशन, शोध पत्रों/लेखों एवं पुस्तकों के प्रकाशन, भारत व विदेशों में सम्पन्न हुए विभिन्न स्थानों पर हुए संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में सहभागिता, और विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थनों तथा महिला महाविद्यालयों और राजीव गाँधी दक्षिण परिसर, बरकछा, मिर्जापुर सहित, का.हि.वि.वि. के अन्य विभागों में परीक्षकों तथा अतिथि वक्ताओं के रूप में कार्य किया।

संकाय के सदस्य संकाय के स्तर पर मुख्य रूप सें बी०काम०(प्रतिष्ठा), एम०काम०, एम०एफ०एम, एम०एफ०एम०आर०आई० एम०एफ०टी० जैसे पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत शिक्षण कार्य करने के साथ-साथ पीएच०डी० उपाधि धारक भी तैयार करने में लगे रहे। संकाय के कुछ शिक्षक सदस्य का.हि.वि.वि. के महिला महाविद्यायल, कला संकाय, संगणक विज्ञान विभाग और सांख्यिकी विभाग में भी अध्यापन कार्य में संलग्न रहे।

**छात्रों को सुविधाएँ**

छात्रों को गुणवत्ता एवं उनके प्रदर्शन में उन्नयन के उद्देश्य से संकाय उन्हें अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान करता है। वे सुविधाएं हैः-

(क) विभागीय पुस्तकालय से सम्पर्क
(ख) वाणिज्य संघ पुस्तकालय से सम्पर्क,
(ग) एम०एफ०एम०/एम०एफ०एम०आर०आई०/एम०एफ०टी पुस्तकालय से सम्पर्क,
(घ) पाठ्यपुस्तक की सुविधा,
(ड.) निःशुल्क छात्रता,
(च) योग्यता एवं पुण्यार्थ छात्रवृत्ति,
(छ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग छात्रवृत्ति,
(ज) का.हि.वि.वि. पीएच.डी. शोध छात्रवृत्ति,
(झ) अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति,
(ञ) एन.सी.सी.,
(ट) एन.एस.एस.,
(ठ) अतिथि शिक्षण व्याख्यान,
(ड) परियोजना प्रशिक्षण,
(ढ) व्यापारिक अधिकारियों के साथ विमर्श।